

रजिस्टर्ड नं० पी०/एस० एम० 14.



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (प्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 28 मार्च, 1987/7 चत्र, 1909

हिमाचल प्रदेश सरकार

लोक सम्पर्क विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 23 फरवरी, 1987

संख्या पब 6-7/74-भाग-2 --हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना संख्या 6-7/74-जी०ए०डी० (पब), तारीख 17-8-1977 द्वारा अधिपूचित संयुक्त निदेशक, लोक सम्पर्क (राजपत्रित प्रथम वर्ग) लोक सम्पर्क विभाग के भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में तुरन्त निम्नलिखित संशोधन करते हैं ; अर्थात् :-

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules shall be called the Recruitment & Promotion Rules for the post of Joint Director, Public Relations (Gazetted Class-I) in the Department of Public Relations (First Amendment), 1987.

(1) These rules shall come into force with immediate effect.

2. *Amendment in Annexure.*—For entries in columns 2, 4, 10, 11 and 12 of the Annexure to the Recruitment and Promotion Rules for the post of Joint Director, Public Relations (Gazetted Class-I) in the Public Relations Department, Himachal Pradesh, the following entries shall be substituted, namely:—

“Column 2  
Column 4  
Column 10  
Column 11

Three.

Rs. 1775-75-2000/100-2100.

100% by promotion.

By promotion from amongst the Deputy Directors, Public Relations/Senior Editor, with at least 3 years regular service or *ad hoc* (rendered upto 31-12-1983) service, if any, or combined in the grade.

*Note.*—For the purpose of promotion a combined seniority list of eligible officers will be prepared on the basis of length of service in the respective grade without disturbing the *inter-se* seniority.

As may be constituted by the Government from time to time.

Column 12

आदेश द्वारा,  
हस्त/-

वित्तियुक्त एवं सचिव ।

### स्थानीय स्वायत्त प्रशासन विभाग

#### अधिसूचनायें

शिमला-2, 21 फरवरी, 1987

संख्या एल०एस० जी०ए०(3)2/86.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश म्युनिसिपल कारपोरेशन ऐक्ट, 1979 (1980 का 9) की धारा 37 की उप-धारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार की समसंख्यांक अधिसूचना तारीख 7 जून, 1986 द्वारा तारीख 21 जून, 1986 के राजपत्र (असाधारण) हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित शिमला नगर निगम (महापौर के लिए सुविधायें) नियम, 1986 का और संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शिमला नगर निगम (महापौर के लिए सुविधायें) (प्रथम संशोधन) नियम, 1986 है ।

(1) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे ।

2. नियम का संशोधन.—नियम 2 (2) में शब्द “पार्षद” के स्थान पर शब्द “महापौर” प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

3. नियम 5 का संशोधन.—नियम 5 में शब्द “अपने अधिकार क्षेत्र” के स्थान पर “शिमला नगर निगम की अधिकारिता” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

4. नियम 6 का संशोधन.—नियम 6 में शब्द “ऐसी” और “दरों” के बीच शब्द “उच्चतम” अन्तःस्थापित किया जाएगा और शब्द “उच्चतम वेतन पाने वाले अधिकारी” के स्थान पर शब्द “ग्रेड-I अधिकारियों” प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

शिमला-2, 12 मार्च, 1987

संख्या 7-57/71 एल0 एस0 जी0.—इस विभाग के सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 5-11-86 के क्रम में।

अतः अब हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1968 (1968 का अधिनियम 19) की धारा 257 की उप-धारा (1) के खण्ड (ई) तथा (डी) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश निम्नलिखित प्रधान व गैर सरकारी सदस्य को अधिसूचित क्षेत्र समिति सुजानपुर टीहरा के लिए बाकी समय के लिए तत्काल सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

गैर सरकारी सदस्य :

श्री पी0सी0 महाजन

मदस्य

सरकारी सदस्य:

सहायक आयुक्त, हमीरपुर

प्रधान

आदेश द्वारा,  
हस्त/-  
सचिव।

[Authoritative English text of this Department notification No. [7-57/71-LSG, dated 12-3-87 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 12th March, 1987

No. 7-57/71-LSG.—In partial modification of this Department notification of even number dated the 5th November, 1986 and in exercise of the powers conferred by clauses (d) and (e) of sub-section (1) of section 257 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 (Act No. 19 of 1968), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to appoint Assistant Commissioner to Deputy Commissioner, Hamirpur as President in place of the S. D. O. (C), Hamirpur and Shri P. C. Mahajan, village and P. O. Sujampur as a non-official member of the Notified Area Committee Sujampur Tihra, District Hamirpur, for the remaining period, with immediate effect.

By order,  
Sd/-  
Secretary (LSG).

शिमला-2, 18 मार्च, 1987

संख्या एल0 एस0 जी0-7-4/71-I.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1968 की धारा 257 की उप-धारा (1) के खण्ड (डी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

श्रीमती लोटमा देवी, निवासी शमशी, तहसील तथा जिला कुल्लू को अधिसूचित क्षेत्र समिति भुन्तर, जिला कुल्लू के गैर सरकारी सदस्या के रूप में बाकी समय के लिए तत्काल से सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
सचिव।

[In pursuance of clause (3) of Article 348 of Constitution of India, the Governor, H.P. is pleased to publish the English text of Notification No. 7-4/71-LSG-I dated 18-3-1987 for the general information of the public].

## LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 18th March, 1987

No. LSG 7-4/71-I.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 257 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1968 (Act No. 19 of 1968) the Governor, Himachal Pradesh is pleased to appoint Smt. Lotama Devi of Shamshi, Tehsil & District Kullu as non-official member of the N. A. C. Bhunter in Kullu District for remaining period with immediate effect.

By order,  
Sd/-  
Secretary (LSG).

### पंचायती राज विभाग

### अधिसूचना

शिमला-2, 13 जनवरी, 1987

संख्या पी० सी० एच० एच० ए० (1) 11/85.—राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, उन शक्तियों के अन्तर्गत जो उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 (वर्ष 1970 का 19वां अधिनियम) की धारा 4 व 5 के अन्तर्गत प्राप्त हैं, जिला शिमला के विकास खण्ड ठियोग, की निम्नलिखित ग्राम सभा क्षेत्रों का पुनर्गठन/विभाजन करके उनके लिये निम्न प्रकार ग्राम सभाओं की स्थापना करने के सहर्ष आदेश देते हैं :-

| क्र० सं० | वर्तमान ग्राम सभा का नाम | कोष्ठ नं० 2 में वर्णित ग्रामों के नाम | कोष्ठ नं० 2 में वर्णित ग्राम सभा से अप-वर्जन होने वाले ग्रामों के नाम | अपवर्जित ग्रामों से बनने वाला ग्राम सभा का नाम | कोष्ठ 5 में वर्णित ग्राम सभा में सम्मिलित होने वाला ग्रामों के मुख्यवास नाम | विवरण                                 |
|----------|--------------------------|---------------------------------------|---|--|---|---------------------------------------|
| 1        | 2                        | 3                                     | 4   | 5  | 6   | 7                                     |
| 1.       | भराडा                    | 1. बलोआ                               | 1. जुगोह<br>2. क्यारी<br>3. सरोग                                      | सरोग<br>मुख्यवास<br>सरोग                       | कोष्ठ नं० 4 से अपवर्जित गांव  | कोष्ठ नं० 4 में वर्णित गांव को छोड़कर |

| 1 | 2 | 3                   | 4        | 5 | 6 | 7           |
|---|---|---------------------|----------|---|---|-------------|
|   |   | 3. तगला पजेरा       | 4. कडेवग |   |   | कोष्ठ नं 03 |
|   |   | 4. भराडा            |          |   |   | के शेष गांव |
|   |   | 5. टिक्कर           |          |   |   | ग्राम सभा   |
|   |   | 6. भडयाना           |          |   |   | भराडा में   |
|   |   | 7. जुगोह            |          |   |   | ही रहेंगे।  |
|   |   | 8. कोट              |          |   |   |             |
|   |   | 9. क्यारी           |          |   |   |             |
|   |   | 10. सरोग            |          |   |   |             |
|   |   | 11. कडेवग           |          |   |   |             |
|   |   | 12. जंगल भाडयाना    |          |   |   |             |
|   |   | 13. जंगल तंगला      |          |   |   |             |
|   |   | 14. तुंगला गिरीनाला |          |   |   |             |
|   |   | 15. धनोत            |          |   |   |             |
|   |   | 16. कुन्दली         |          |   |   |             |
|   |   | 17. चलावग           |          |   |   |             |
|   |   | 18. रशोली           |          |   |   |             |

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
सचिव।

### कार्यालय आदेश

शिमला-171002, 23 फरवरी, 1987

संख्या पी 0सी 0एच 0-एच 0-एच 0 (5) 54/77.—क्योंकि श्री शेष राम अवस्थी, प्रधान (निलम्बित) ग्राम पंचायत गुग्गा, विकास खण्ड लम्बागांव, जिला कांगड़ा ने सहकारी बैंक लम्बागांव के सम्मुख जाली प्रस्ताव पेश करके 29-10-85 को 1500/- रुपये की राशि निकाली है। 11-11-1985 को डाक घर खैरा से 800/- रुपये की राशि भी पंचायत जानकारी के बगैर निकाली गई। 23-11-85 को 700/- रुपये विकास खण्ड अधिकारी, लम्बागांव से बतौर आखरी किस्त रिट ग्राम में बावड़ी के लिए प्राप्त की और उसमें से 400 रुपये 35 दिनों तक तथा शेष राशि 2 मास तक अपने निजी प्रयोग में खर्च की। उपरोक्त पहली दो राशियां क्रमशः 2 मास तथा 38 दिन तक निजी प्रयोग में लाई जाती रही हैं।

अतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश श्री शेष राम अवस्थी को हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के अन्तर्गत कारण बताओ नोटिस देते हैं कि क्यों न उन्हें उक्त कृत्यों के लिए हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 (1) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत के प्रधान पद से निष्कासित किया जाये। उनका उत्तर इस नोटिस के जारी दिनांक से 15 दिनों के भीतर इस कार्यालय में जिलाधीश कांगड़ा के माध्यम से पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि वे अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना चाहते।

शिमला-2, 18 मार्च, 1987

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0(5)21/76.—जांच करने पर यह पाया गया कि ग्राम पंचायत महासू, विकास खण्ड जुब्बल-कोटखाई, जिला शिमला के निम्नलिखित पंच लगातार तीन से अधिक बैठकों में अनुपस्थित रहे हैं :—

1. श्री रोशनदीन
2. श्री केशव राम
3. श्री जोगिन्द्र सिंह
4. श्री जगदीश सिंह

और क्योंकि इनकी लगातार अनुपस्थिति के कारण पंचायत के कार्य में बाधा पड़ रही है ।

अतः राज्यपाल हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के अंतर्गत कारण बताओ नोटिस जारी करने का सहर्ष आदेश देते हैं कि वयों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54(2)(ग) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत महासू के पंचों के पदों से निष्कासित किया जाये । उनका उत्तर जिलाधीश शिमला के माध्यम से शीघ्र इस कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि वे सभी अपने पक्ष में कुछ कहना नहीं चाहते ।

हस्ता/-  
उप-सचिव

## OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE, SHIMLA DISTRICT, HIMACHAL PRADESH

### NOTIFICATION

*Shimla, the 17th March, 1987*

No. SML-Dev-2(44)/86-5814-25.—In continuation of this office notification No. SML-Dev-2 (44)/86-18001-18017, dated the 13th October, 1986 published in the Extra-ordinary Gazette dated the 14th February, 1987 and in exercise of the powers conferred upon me under clause 3(I) (e) of the Himachal Pradesh Hoarding and Profiteering Prevention Order, 1977, I, J. P. Negi, District Magistrate, Shimla do hereby order that the rates so fixed vide notification under reference shall continue to remain in force for a further period of next two months.

J. P. NEGI,  
District Magistrate, Shimla.